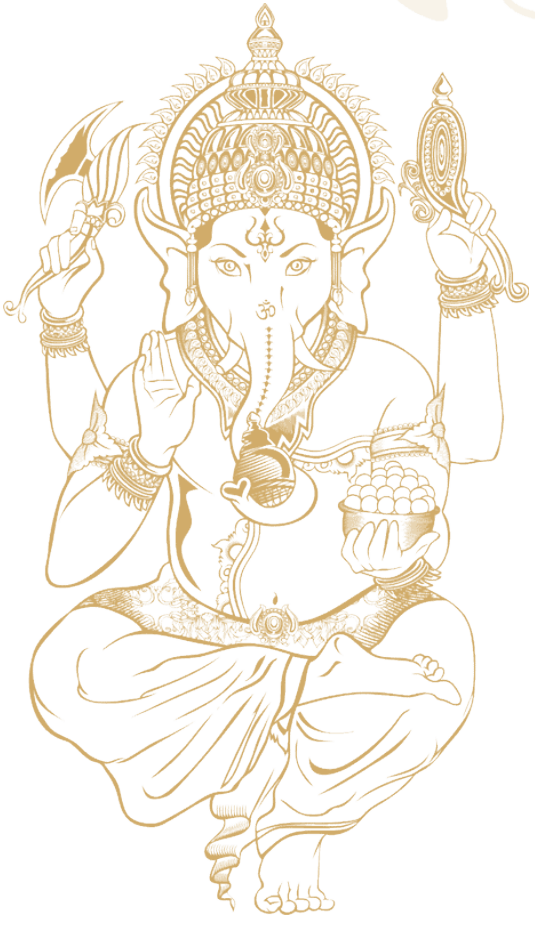

Yash bansal

Riya jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120950103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/01/1997	जन्म तिथि	06/12/1997
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:49:00	जन्म समय	22:40:00 घंटे
घटी 23:54:10	जन्म समय(घटी)	39:09:04 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:19	सूर्योदय	07:00:22
17:39:44	सूर्यास्त	17:23:59
23:48:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:36

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 0वर्ष 4मा 6दि		13:10:13	मिथु	लग्न	सिंह	01:26:30	राहु 8वर्ष 5मा 2दि	
सूर्य		23:23:22	धनु	सूर्य	वृश्चि	20:47:46	शनि	
15/05/2024		29:43:30	वृश्चि	चंद्र	कुंभ	13:45:38	10/05/2022	
15/05/2030		07:26:28	कन्या	मंगल	धनु	27:10:29	10/05/2041	
सूर्य	02/09/2024	11:26:05	धनु व	बुध	धनु	09:27:38	शनि	13/05/2025
चन्द्र	03/03/2025	02:51:28	मक	गुरु	मक	23:38:38	बुध	21/01/2028
मंगल	09/07/2025	02:43:47	धनु	शुक्र	मक	03:03:33	केतु	01/03/2029
राहु	03/06/2026	07:52:40	मीन	शनि व	मीन	19:47:37	शुक्र	30/04/2032
गुरु	22/03/2027	08:09:15	कन्या व	राहु व	सिंह	21:16:40	सूर्य	12/04/2033
शनि	03/03/2028	08:09:15	मीन व	केतु व	कुंभ	21:16:40	चन्द्र	12/11/2034
बुध	07/01/2029	09:49:01	मक	हर्ष	मक	12:04:24	मंगल	21/12/2035
केतु	15/05/2029	03:15:11	मक	नेप	मक	04:16:23	राहु	27/10/2038
शुक्र	15/05/2030	10:46:51	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:59:56	गुरु	10/05/2041

लग्न-चलित

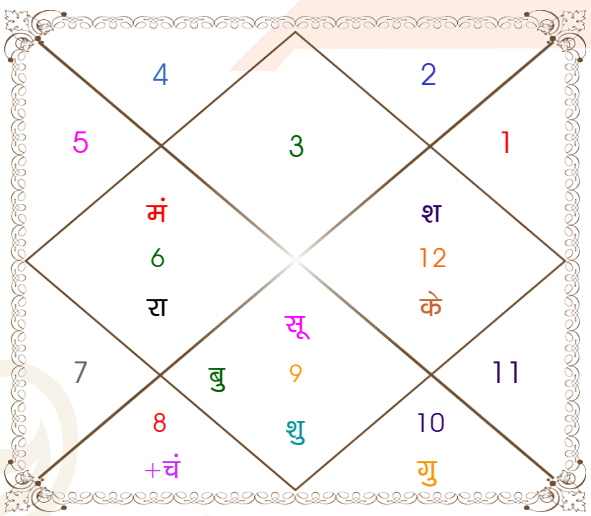

लग्न-चलित

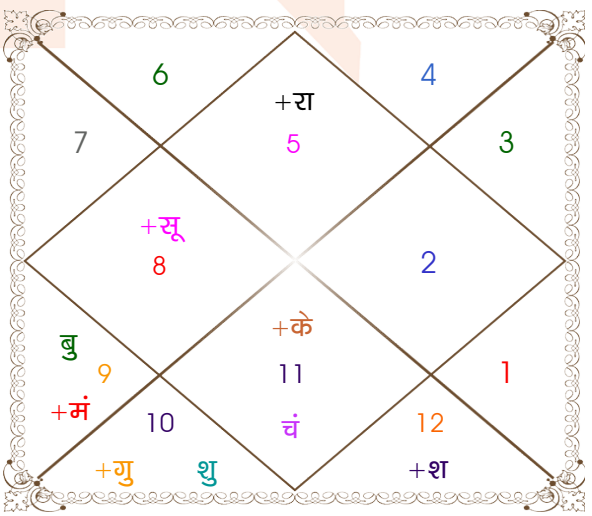

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

लैे इंदेंस का वर्ग मृग है तथा Riya jain का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैे इंदेंस और Riya jain का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे इंदेंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु लैे इंदेंस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Riya jain मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

लैे इंदेंस तथा Riya jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।